

श्री महाकाल ऐसा वरदान दो । By Sanjay Chauhan ।

श्री महाकाल ऐसा वरदान दो,
गुणगान तुम्हारा सुनाता रहूँ,
संसार में जब जब जनम मिले,
तो महाकाल नगरी में आता रहूँ,
श्री महाकाल ऐसा वरदान दो,
गुणगान तुम्हारा सुनाता रहूँ ॥

किसी बगिया की डाली का फूल बनू,
तो महाकाल नगरी में खिलता रहूँ,
किन्हीं हाथों से तोड़ा जाऊँ अगर,
शिव मंदिर में खुशबु उड़ाता रहूँ,
श्री महाकाल ऐसा वरदान दो,
गुणगान तुम्हारा सुनाता रहूँ ॥

संगेमरमर का कोई जो पत्थर बनू,
तो महाकाल मंदिर पे सजता रहूँ,
कोई पानी से मुझको धोया करे,
शिव मंदिर की शोभा बढ़ाता रहूँ,
श्री महाकाल ऐसा वरदान दो,
गुणगान तुम्हारा सुनाता रहूँ ॥

गर सर्पों की योनी में जीवन मिले,
शिवजी के गले से मैं लिपटा रहूँ,
आठों याम ही सेवा करता रहूँ,
शिव मस्तक पे फन को फैलाता रहूँ,
श्री महाकाल ऐसा वरदान दो,
गुणगान तुम्हारा सुनाता रहूँ ॥

गर क्षिप्रा सलिला का पानी बनू,
तो महाकाल नगरी में बहता रहूँ,
भक्त भर भर के गागर चढ़ाते रहे,
महाकाल के चरण धुलाता रहूँ,
श्री महाकाल ऐसा वरदान दो,
गुणगान तुम्हारा सुनाता रहूँ ॥

शिव भोले के प्याले की भंगिया बनू,
शिव होंठों से मुझको लगाया करे,
गर भोले के हाथों का डमरू बनू,
शिव हाथों से डम डम बजाया करे,
शिव भक्तों पे आशीष बरसे सदा,
ऐसी अर्जी मैं शिव से लगाता रहूँ,
श्री महाकाल ऐसा वरदान दो,
गुणगान तुम्हारा सुनाता रहूँ ॥

जब प्राण पखेरू ये उड़ने लगे,
इस तन को मेरे जब जलाने लगे,
भस्म भोले को मेरी चिता की लगे,

धन्य जीवन को अपने बनाता रहूँ,
श्री महाकाल ऐसा वरदान दो,
गुणगान तुम्हारा सुनाता रहूँ ॥

श्री महाकाल ऐसा वरदान दो,
गुणगान तुम्हारा सुनाता रहूँ,
संसार में जब जब जनम मिले,
तो महाकाल नगरी में आता रहूँ,
श्री महाकाल ऐसा वरदान दो,
गुणगान तुम्हारा सुनाता रहूँ ॥

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2-%e0%a4%90%e0%a4%b8%e0%a4%be-%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%a6%e0%a5%8b-by-sanjay-cha-2/>